दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 04.11.2025

प्रकाशनार्थ

दिनांक 04.11.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के वाणिज्य विभाग में **सहज़योग ध्यान के माध्यम से शिक्षा में नवाचार की भूमिका** विषय पर **एक दिवसीय कार्यशाला** का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों के बौद्धिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु ध्यान एवं योग के महत्व को रेखांकित करना था, ताकि वे उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी वातावरण में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुई। वाणिज्य विभाग के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि एवं वक्ताओं का स्वागत पुष्प गुच्छ प्रदान कर किया गया कार्यक्रम के **मुख्य वक्ता श्री दयाशंकर लाल श्रीवास्तव** ने सहज़योग ध्यान की तकनीकों, ध्यान के वैज्ञानिक पहलुओं तथा शिक्षा में इसके उपयोगी परिणामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि नियमित ध्यान से मन एकाग्र होता है, तनाव कम होता है, स्मरण शक्ति बढ़ती है तथा व्यक्तित्व में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। उन्होंने छात्रों को ध्यान की व्यावहारिक विधि का अभ्यास भी कराया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई।

मुख्य अतिथि श्री राजेश राज ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में मानसिक शांति एवं भावनात्मक संतुलन अत्यंत आवश्यक है। ध्यान एवं योग न केवल शिक्षा में नवाचार का माध्यम है, बल्कि यह व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक सफलता की कुंजी भी है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो.(डॉ.) ओम प्रकाश सिंह** ने की। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली में मानसिक स्वास्थ्य एवं वैचारिक स्पष्टता को महत्व देना समय की मांग है। इस प्रकार की कार्यशालाएँ छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं **कार्यशाला का संचालन वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता** द्वारा अत्यंत प्रभावशाली तरीके से किया गया। उन्होंने स्वागत भाषण में सहज़योग ध्यान की आवश्यकता एवं इस कार्यशाला के उद्देश्य को स्पष्ट किया। **वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह ने आभार व्यक्त** करते हुए सभी अतिथियों, वक्ताओं, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने कहा कि विभाग आगे भी इस प्रकार की शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास की गतिविधियाँ आयोजित करता रहेगा।

इस **कार्यशाला में कुल 725 छात्र–छात्राएँ** उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने ध्यान सत्र का अनुभव करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। इस कार्यशाला में सहजयोग ध्यान केंद्र, गोरखपुर के सदस्य श्री एस.एस. मौर्या, श्री कमल श्रीवास्तव, श्रीमती सुधा श्रीवास्तव, श्रीमती शन्नो श्रीवास्तव, श्रीमती नीलम श्रीवास्तव एवं **वाणिज्य विभाग के डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी, डॉ. चंडी प्रसाद पाण्डेय, श्री दीपक कुमार साहनी, श्रीमती रानी द्विवेदी एवं डॉ. अभय कुमार मालवीय** उपस्थित थे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क